प्रभू मेरे आँगन भी आना कभी भजन लिरिक्स

प्रभू मेरे आँगन भी,
आना कभी,
हो जो निकलना मेरी,
गली से कभी।bd।

तर्ज – कभी तेरा दामन न।

पूजा करूँगा तेरी,
आरती उतारूँगा,
सूरत को तेरी फिर,
मै हरदम निहारूँगा,
आँसुओ से दाता,
तेरे चरण पखारूँगा,
बस जाओ दाता,
मेरे मन मे यदि,
प्रभू मेरे आंगन भी,
आना कभी,
हो जो निकलना मेरी,
गली से कभी।bd।

मँदिर को तेरे नित,
सजाता रहूँगा,
तेरी रज़ा मे जीवन,
बिताता रहूँगा,
तेरी कृपा से झाड़ू,
लगाता रहूँगा,
जाना न फिर मुझे,
छोड़के कभी,
प्रभू मेरे आंगन भी,
आना कभी,
हो जो निकलना मेरी,
गली से कभी।bd।

चरण प्रभू रख दो,
घर तुम हमारे,
मिट जाएंगे दाता,
संकट ये सारे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कर दो क़रम प्रभू,
हे नँगली वाले,
तन ये छूटे पर,
दर छूटे न कभी,
प्रभू मेरे आंगन भी,
आना कभी,
हो जो निकलना मेरी,
गली से कभी।bd।

प्रभू मेरे आँगन भी,
आना कभी,
हो जो निकलना मेरी,
गली से कभी।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो अभी उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com